नारायणा धाम में 251 क्विंटल फूलों और 51 क्विंटल गुलाल से खेली जाएगी होली

- फाग और ध्वज आयोजन, 31 गांवों के श्रद्धालु होंगे शामिल

उज्जैन। महिदपुर स्थित कृष्ण-सुदामा की मित्रता के प्रतीक स्थल ग्राम नारायणा धाम में प्रतिवर्षानुसार सोमवार, 2 मार्च 2026 को फाग और ध्वज उत्सव मनाया जाएगा। कृष्ण सुदामा उत्सव समिति द्वारा आयोजित इस महोत्सव में इस वर्ष 251 क्विंटल फूल और 51 क्विंटल गुलाल से होली खेली जाएगी।

आयोजन की तैयारी में आयोजक कृष्ण सुदामा उत्सव समिति नारायणा धाम के केशर सिंह पटेल, डॉ. मोहन शर्मा, सेवाराम आंजना, मोतीराम चौधरी, विक्रम सिंह आंजना, पुजारी अंबाराम, बद्रीलाल, दौलतराम, भवानी शंकर, आत्माराम, प्रेमनारायण, संदीप, रामेश्वर शर्मा, एडवोकेट अंतर सिंह आंजना, संजय आंजना पटेल, गोपीलाल आंजना पटेल, केशर सिंह आंजना, सरपंच भगवान सिंह गोयल नारायणा, जगदीश शर्मा पंडित, ईश्वर शर्मा, कैलाश सैन, अमर सिंह, विकास आंजना, गोविंद आंजना आदि लगे हुए हैं।

मथुरा, वृंदावन और गोकुल की तरह आयोजित होने वाले इस होली उत्सव के लिए विशेष रूप से फूल तथा हाथरस से गुलाल मंगवाई गई है। कृष्ण सुदामा उत्सव समिति के केशर सिंह पटेल और डॉ. मोहन शर्मा ने बताया कि मथुरा, वृंदावन की तरह नारायणा धाम की फूलों की होली प्रसिद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का यहां से विशेष लगाव रहा है और वे फाग पूर्णिमा उत्सव में शामिल होते रहे हैं। लाभार्थी मंगलनाथ मंदिर के महंत जितेंद्र भारती और उनकी पत्नी जया भारती हैं। वे भगवान बालगोपाल और शिखर पर आरोहित की जाने वाली ध्वजा को सिर पर रखकर निकलेंगे। ग्राम भ्रमण के उपरांत चल समारोह पुनः नारायणा धाम मंदिर पहुंचेगा, जहां शिखर पर ध्वजारोहण के बाद भक्त फूलों से होली खेलेंगे।

कृष्ण सुदामा उत्सव समिति के केसर सिंह पटेल और डॉ. मोहन शर्मा ने इस आयोजन की जानकारी देते हुए सभी श्रद्धालुजनों से सपरिवार पधारकर इस आनंदोत्सव का साक्षी बनने का सविनय निवेदन किया है।

सुबह 6 बजे से शुरू होंगे आयोजन

उत्सव के दिन सुबह 6 बजे कृष्ण और सुदामा का महाअभिषेक कर पूजा-अर्चना की जाएगी। आरती के उपरांत ढोल-नगाड़ों के साथ ध्वज यात्रा प्रारंभ होगी। सुबह 9 बजे से बैंड-बाजे, ढोल-नगाड़ों के साथ समारोह शुरू होगा, जिसमें हाथी, घोड़े, ऊंट और बग्घी शामिल होंगे। इस चल समारोह में करीब 31 गांव के श्रद्धालु हिस्सा लेंगे। दोपहर 12 बजे अभिजित मुहूर्त में मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया जाएगा, जिसके बाद महाआरती होगी और भंडारा लगेगा।

शहर विकास को प्राथमिकता, गुणवत्ता पर फोकस

उज्जैन। धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व वाले उज्जैन शहर में इन दिनों व्यापक विकास कार्यों को तेज गति से आगे बढ़ाया जा रहा है। एक ओर सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के अंतर्गत बड़े निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जा रहे हैं।

संभागायुक्त और मेला अधिकारी आशीष सिंह के निर्देशन में सिंहस्थ 2028 को दृष्टिगत रखते हुए विभिन्न निर्माण कार्य तेज गति से जारी हैं। वहीं दूसरी ओर शहर के भीतर सड़क चौड़ीकरण, नाली निर्माण, पेयजल व्यवस्था सुधार और आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके साथ ही जनप्रतिनिधियों की सांस्कृतिक सहभागिता भी शहर की सामाजिक प्रतिबद्धता को मजबूत कर रही है।

लालपुर ब्रिज पर पाइलिंग कार्य यह प्रगतिरत कार्य जिसमें 87 में से 51 पाइल पूर्ण किए जा चुके हैं। वहीं कर्कराज पार्किंग, भूखी माता मंदिर तथा शिप्रा ब्रिज पर 14 फरवरी को पाइलिंग कार्य पूर्ण होने के बाद अब पाइल कैप्स लगाने और सब-स्ट्रक्चर निर्माण का कार्य तेजी से किया जा रहा है। सिंहस्थ के विशाल आयोजन को ध्यान में रखते हुए सभी कार्यों के लिए समय-सीमा निर्धारित की गई है तथा गुणवत्ता से कोई समझौता न हो, इस पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उद्देश्य यह है कि श्रद्धालुओं और नागरिकों को सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित अधोसंरचना उपलब्ध कराई जा सके। समग्र रूप से देखा जाए तो उज्जैन में सिंहस्थ की तैयारियों से लेकर सड़क चौड़ीकरण, पेयजल सुधार, नाली निर्माण और विकास और परंपरा का संतुलित स्वरूप दिखाई दे रहा है।

नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने लिया तत्काल संज्ञान

इसी क्रम में नगर पालिक निगम उज्जैन द्वारा भी शहर के आंतरिक विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने कोयला फाटक चौराहे से कंठाल चौराहे तक चल रहे सड़क चौड़ीकरण कार्य का स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निजातपुरा स्थित महालक्ष्मी अपार्टमेंट के रहवासियों ने पेयजल समस्या की जानकारी दी, जिस पर आयुक्त ने तत्काल संज्ञान लेते हुए पीएचई अधिकारियों को उसी दिन समस्या के निराकरण के निर्देश दिए। ठेकेदार द्वारा डाली गई नई पाइपलाइन से टी-कनेक्शन जोड़कर जल आपूर्ति सुचारू करने के निर्देश दिए गए। आयुक्त ने स्पष्ट किया कि चौड़ीकरण मार्ग पर जहां-जहां लिकेज की समस्या है, उनका तत्काल संधारण किया जाए ताकि सड़क की सतह निर्माण का कार्य शीघ्र प्रारंभ हो सके। जलभराव वाले स्थानों पर मोटर लगाकर पानी निकासी की व्यवस्था करने, नाली निर्माण में समुचित चैनल बनाकर जल निकासी सुनिश्चित करें।

रंजिश में हिस्ट्रीशिटर पर किया चाकू से हमला

उज्जैन। हिस्ट्रीशिटर बदमाश को रंजीश के चलते देर शाम चाकू मार दिये गये। घायल बदमाश को उपचार के लिये निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है। घटनाक्रम की जानकारी मिलने पर पुलिस बयान दर्ज करने पहुंची, इस दौरान 3 बदमाशों के नाम सामने आये। जिनकी तलाश शुरू की गई है।

मॉडल स्कूल के पीछे गांधीनगर में रहने वाला नितेश उर्फ काऊ हिस्ट्रीशिटर बदमाश है। शाम को उसे गोपी वाडिया ने दो तालाब दिनदयाल कॉम्पलेक्स के पास बाबा कैफे पर मिलने बुलाया। नितेश जैसे ही पहुंचा गोपी और उसके साथ आये और छिंगू बुंदेला ने अपने साथी के साथ मिलकर चाकू से हमला कर दिया। तीन से चार चाकू जांघ और पैर पर लगने से नितेश घायल हो गया। उसे उपचार के लिये निजी अस्पताल ले जाया गया। चाकूबाजी की खबर मिलते ही नीलगंगा थाना प्रभारी तरुण कुरील, एसआई यादवेन्द्र परिहार टीम के साथ अस्पताल पहुंचे। जहां घायल नितेश ने गोपी वाडिया, धीरज और छिंगू बुंदेला पर चाकू मारने का आरोप लगा। एसआई परिहार के अनुसार बयान दर्ज कर मामला दर्ज किया जा रहा है। वहीं चाकू मारने वालों के नाम सामने आने पर उनकी तलाश शुरू की गई है। बताया जा रहा है कि कुछ माह पहले नितेश ने साथियों के साथ मिलकर नीलगंगा थाने के पास मल्टी में हवाई फायर कर दहशत फैलाई थी और वहां रहने वाले परिवार के साथ मारपीट कर धमकी दी थी। उक्त मामले में पुलिस ने नितेश को साथियों के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजा था। नितेश गुर्जर गैंग के साथ रहता है। वहीं चाकू मारने वाले विरोध गैंग से जुड़े हुए है।

नई कार्यकारिणी का हुआ गठन

- एमपीएमआरए उज्जैन इकाई की 57वीं वार्षिक सभा संपन्न

उज्जैन। एमपीएमआरए उज्जैन इकाई की 57वीं वार्षिक सभा स्थानीय होटल सुराणा पैलेस में संपन्न हुई। इस कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में इंडियन डेंटल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. निहित कुमार राणा और एसोसिएशन के संरक्षक अभय विश्वकर्मा ने संबोधित किया। सभा के दौरान राज्य महासचिव निशीकांत पंड्या ने सरकार से चारों लेबर कोड को रद्द करने की प्रमुखता से मांग की। वहीं, कोषाध्यक्ष अजय अग्निहोत्री ने उपस्थित सदस्यों को एसोसिएशन की कार्यप्रणाली और गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। बैठक में आगामी वर्ष के लिए नई कार्यकारिणी का चुनाव भी संपन्न हुआ। इसमें देव पाटीदार को अध्यक्ष, हरीश ऋषिश्वर को सचिव और उमंग वानखेड़े को कोषाध्यक्ष निर्वाचित किया गया है। इस वार्षिक सभा में हेमलता राठौड़ को नई कार्यकारिणी में शामिल किया गया। संचालन संदीप तिवारी ने किया।

एक नजर में

महिला मंडल ने मनाया फाग महोत्सव

उज्जैन। होलिका दहन से पहले ही प्रदेश की धार्मिक राजधानी उज्जैन रंगों में सराबोर नजर आ रही है। शहर के प्रमुख मंदिरों में फाग उत्सव शुरू हो चुका है और गुलाल एवं फूलों से जमकर होली खेली जा रही है। मंदिरों के साथ ही विभिन्न समाजों में भी रविवार को भक्त रंगों में सराबोर नजर आए। इसी कड़ी में राठौर क्षत्रिय समाज द्वारा भव्य फाग महोत्सव का आयोजन किया गया। हर वर्ष बसंत पंचमी के बाद फाल्गुन मास की शुरुआत होती है, जिसे भगवान श्रीकृष्ण को समर्पित माना जाता है। इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए राठौर क्षत्रिय समाज ट्रस्ट अध्यक्ष पुरुषोत्तम राठौर के मार्गदर्शन एवं महिला मंडल की समाज अध्यक्ष निर्मला चौहान के नेतृत्व में कार्तिक चौक स्थित समाज धर्मशाला में फाग महोत्सव आयोजित किया गया। आयोजन में भक्ति, संगीत और रंगों का अद्भुत संगम देखने को मिला। संगीतमय भजनों के बीच समाज की महिलाओं ने राधा-कृष्ण की आराधना की और भगवान के चरणों में आस्था अर्पित करते हुए जमकर फूल और गुलाल उड़ाया। फूलों की होली से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। महोत्सव का समापन भगवान लड्डू गोपाल की आरती के साथ हुआ, जिसमें उपस्थित जनों ने आरती कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर समाज अध्यक्ष पुरुषोत्तम राठौर, सचिव धर्मेंद्र मगरवा, मनोहर लाल राठौर, तेज कुमार राठौर, शिवनारायण राठौर, मदन लाल राठौर, युवा अध्यक्ष दीपक राठौर, आशीष राठौर, जितेंद्र राठौर, राजू भाई राठौड़, सुनीता राठौर, कविता राठौर, किरण राठौर, मधु राठौर, सुनीता राठौर, दाखाबाई राठौर, सीमा राठौर, लता राठौर, भावना राठौर, पिंकी राठौर, माधुरी राठौर, भारती राठौर, नीतू राठौर, उषा राठौर, पूर्णिमा राठौर और मीना राठौर सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

महाकाल की शरण में अभिनेत्री निशा पारीक

उज्जैन। अभिनेत्री निशा पारीक ने हाल ही में महाकालेश्वर मंदिर पहुंचकर भगवान महाकाल के दर्शन किए और भक्ति में लीन होकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। निशा पहले भी महाकाल के दरबार में आती रही हैं, लेकिन इस बार का अनुभव उनके लिए अत्यंत भावुक और आध्यात्मिक रहा। पहली बार भस्म आरती में सम्मिलित होकर निशा पारीक भाव-विभोर हो उठीं। अपने अनुभव को साझा करते हुए उन्होंने कहा भस्म आरती केवल एक पूजा नहीं, बल्कि आत्मा को झकझोर देने वाला अनुभव है। जैसे ही भगवान के नाम का उच्चारण होता है, मन स्वतः ही उनके चरणों में झुक जाता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील करते हुए कहा कि जो भी महाकाल के दर्शन के लिए आता है, उसे एक बार भस्म आरती का अनुभव अवश्य करना चाहिए, क्योंकि यह अनुभव इंसान को अंदर से बदल देता है। निशा मानती हैं कि उनके जीवन और करियर में जो भी अच्छे कार्य हुए हैं, वे सब महाकाल की कृपा से ही संभव हो पाए हैं। उन्होंने कहा कि वे अपने अब तक के काम को अपना सौभाग्य मानती हैं और आगे आने वाले हर अच्छे कार्य के लिए आशीर्वाद लेने आई हैं। मंदिर के पवित्र वातावरण, व्यवस्था और पंडितों के मार्गदर्शन की उन्होंने जमकर सराहना की। इस दौरान निशा ने राघव गुरु से भी भेंट कर उनका मार्गदर्शन और आशीर्वाद प्राप्त किया। अभिनय के क्षेत्र में निशा पारीक एक जाना-पहचाना नाम हैं और उन्होंने कई धारावाहिकों में काम किया है। हाल ही में उनका नया म्यूजिक एल्बम कर ले प्यार हम दोनों रिलीज हुआ है। वर्तमान में वे अपने कई आगामी प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं।

विशेष कीर्तन के साथ सिख मार्शल आर्ट का आयोजन

उज्जैन। श्री गुरुद्वारा साहिब श्री गुरु नानक घाट के प्रमुख बाबा त्रिलोचन सिंह सिंघ सरपंच ने बताया कि संत बाबा कश्मीर सिंघ, बाबा सुखविंदर सिंघ एवं दरबार साहिब के प्रबंधक अमृतसर के मार्गदर्शन में होला महल्ला एवं पूरनमासी के अवसर पर विशेष कीर्तन समागम, भाई साहब भाई गुरदेव सिंघ वेरका हजूरी रागी दरबार साहिब अमृतसर एवं प्रमुख ग्रंथि सुरजीत सिंघ द्वारा प्रातः 10.30 बजे से 12.30 बजे तक कीर्तन समागम किया जाएगा। 12.30 बजे से पुष्प वर्षा की जाएगी। इस अवसर पर दोपहर 1 से लेकर 2 बजे तक होला मोहल्ला एवं पंजाब के निहंग सिखों द्वारा गतका (सिख मार्शल आर्ट) का प्रदर्शन भी किया जाएगा। इकबाल सिंह गांधी ने बताया कि सिख धर्म में होला महल्ला एक महत्वपूर्ण त्योहार है, जो सिख समुदाय द्वारा मनाया जाता है। चरणजीत सिंह कालरा ने बताया कि होला महल्ला का अर्थ है बल या शक्ति का त्योहार। एसएस नारंग ने बताया कि होला महल्ला सिखों को साहस, वीरता की शिक्षा देता है। प्रमुख ग्रंथि सुरजीत सिंह ने बताया कि आत्मिक रंग में रंगने के लिए कीर्तन समागम का आयोजन किया जा रहा है पुष्प वर्षा की जाएगी।

पुलिस ने खोये मोबाइल लौटाए तो पाने वालों के चेहरे मुस्कुराए

- नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल पर नेशनल कॉन्क्लेव का आयोजन

उज्जैन। इन दिनों पुलिस काफी सक्रिय नजर आ रही है। पहले तो बदमाशों की धरपकड़ कर उन्हें सलाखों के पीछे धकेल रही है। वहीं हत्याकांड और चोरियों के खुलासे में भी पीछे नहीं हट रही है। ऐसे में अपनी मेहनत के पैसे खरीदे गए मोबाइल गुम होने पर उन्हें पुनः लौटाने पर उनके चेहरे खिल गए। पिछले कुछ महीनों में खोये मोबाइलों को पुलिस ने खोज निकाला और रविवार को होली रंगपंचमी के उपहार स्वरूप मोबाइल धारकों को वापस लौट आए तो लोगों के चेहरे पर मुस्कान आ गई। खोया मोबाइल मिलने पर लोगों ने कहा कि उन्होंने मिलने की उम्मीद छोड़ दी थी। लेकिन पुलिस ने खोज निकाला। एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि जिलों की थाना पुलिस और आईटी सेल के पास सैकड़ो लोगों द्वारा अपने मोबाइल गुम होने की लिखित शिकायत पिछले कुछ महीनो में दर्ज कराई थी। आईटी सेल और सायबर टीम द्वारा सभी थाना प्रभारियो के समन्वित प्रयासों से गुम मोबाइलों को तकनीकी साक्ष्यों आधार पर तलाशना शुरू किया और मध्यप्रदेश के अन्य जिलों एवं विभित्र राज्यों से 406 मोबाइलों को खोज निकाला। होली-रंगपंचमी से पहले उपहार स्वरूप मोबाइल धारको को लौटाये गए। मोबाइल वापस मिलने पर लोगों के चेहरे पर मुस्कान आ गई। उनका कहना था कि उम्मीद छोड़ चुके थे लेकिन पुलिस ने खोज निकाला।

406 मोबाइल खोजे जिनकी 73 लाख है

एसपी शर्मा ने बताया कि खोजे गए 406 मोबाइलों की कीमत 73.30 लाख है। उज्जैन पुलिस द्वारा वर्ष 2023 से गुम मोबाइलों को खोजने का अभियान चलाया जा रहा है। पिछले वर्ष 2025 में 952 मोबाइल खोजे गए थे। जिनकी कीमत 1 करोड़ 81 लाख 65 हजार रुपए थी। वर्ष 2024 में 445 मोबाइल जिनकी कीमत 92.5 लाख थी, लोगों को वापस लौट आए गए थे। वर्ष 2023 में 235 मोबाइल 58.75 लाख के खोज निकालने में पुलिस सफल रही थी।

त्योहार से पहले पुलिस ने गुंडे-बदमाशों को किया तलब

उज्जैन। त्योहरों को लेकर पुलिस प्रशासन काफी सख्त नजर आ रहा है। इसी क्रम में होली-रंगपंचमी पर्व शांति-सौहार्द्र के साथ मनाये जा सके और किसी प्रकार की अवैध गतिविधियां ना हो इसको लेकर पुलिस ने पूरे जिले में व्यापक अभियान चलाकर गुंडे-बदमाशों और निगरानीशुदा को तलब किया।

पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने बताया कि मार्च माह के प्रथम सप्ताह में होली-रंगपंचमी का पर्व मनाया जाना है। जिले में शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था को बनाये रखने के लिये जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में सभी थाना क्षेत्रों में सुनियोजित निरोधात्मक अभियान चलाया गया। इस दौरान सभी थाना क्षेत्रों के गुंडा सूची, निगरानीशुदा, आदतन अपराधिक प्रवृत्ति और शांति भंग करने के मामलों में शामिल रहने वाले बदमाशों का तलब किया गया। पुलिस द्वारा उन्हे स्पष्ट रूप से अवगत कराया गया कि त्योहारों के समय किसी भी प्रकार का अपराध, हुड़दंग किया तो सख्त कार्रवाई की जायेगी। अवैधानिक गतिविधियों में शामिल होने पर सीधे जेल भेजा जायेगा।

कार्यक्रम आयोजकों की बैठक भी ली

थानों पर तलब बदमाशों से प्रतिबंधात्मक धाराओं में बांड भरवाये। वहीं प्रत्येक बदमाश का डोजियर फार्म भरा गया। शपथ दिलाई कि शांति-सौहार्द्र बनाकर रखेंगे। बदमाशों के खिलाफ चलाये अभियान के साथ ही पुलिस ने थाना क्षेत्र में होने वाले होलिका दहन कार्यक्रम के आयोजकों की बैठक भी आयोजित की और दिशा-निर्देश जारी किए।

मालीपुरा में आज अखिल भारतीय कवि सम्मेलन

- रात 9 बजे आरंभ होगा कार्यक्रम, 79वां आयोजन है

उज्जैन। होलिका उत्सव की पूर्व संध्या पर शहर में एक बार फिर काव्य रस की फहारें बरसेंगी। मालीपुरा सांस्कृतिक समिति के तत्वावधान में आज 2 मार्च, सोमवार को 79वें अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का भव्य आयोजन किया जा रहा है।

समिति के संरक्षक सत्यनारायण चौहान, अध्यक्ष राकेश चौहान और सचिव मुकेश बारोट ने बताया कि यह प्रतिष्ठित कवि सम्मेलन रात 9 बजे से मालीपुरा चौराहे पर शुरू होगा। समिति पिछले कई दशकों से इस साहित्यिक परंपरा का सफलतापूर्वक निर्वहन कर रही है। होलिका उत्सव से ठीक पहले होने वाले इस 79वें आयोजन को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। इस वृहद साहित्यिक आयोजन में देश के ख्याति प्राप्त कवि अपनी रचनाओं का पाठ करेंगे। आमंत्रित कवियों में मुंबई से हास्य व्यंग्य कवि आशकरण अटल व सुनील व्यास, औरैया से वीर रस के कवि अजय अंजाम, इंदौर से गीतकार अमन अक्षर, भोपाल से गीत-गजल के लिए अनु सपन और बदनावर से हास्य व्यंग्य कवि राकेश शर्मा शामिल हैं।

कण्डों की होलिका का आज होगा दहन

उज्जैन। लायंस इन्टरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 जी-2 के बैनर तले लायंस ऑफ उज्जैन द्वारा इस वर्ष पहली बार कण्डो की होली का दहन का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम आज सोमवार को उज्जैन के फ्रीगंज स्थित टॉवर चौक पर संपन्न होगा। होलिका दहन का शाम 6 बजे से आरंभ होगा। मुख्य होलिका दहन रात्रि 8.30 बजे किया जाएगा, लायंस ऑफ उज्जैन ने सभी सदस्यों और दंपत्तियों से सपरिवार इस पावन अवसर पर उपस्थित होकर होलिका पूजा में शामिल होने का अनुरोध किया है। इसकी व्यवस्था प्रवीण वशिष्ठ, दिनेश राठौर, नरेन्द्र खण्डेलवाल तथा वैशाली शुक्ला प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं।

बाबा के साथ पहले होली — संध्या आरती में भगवान को शक्कर की माला व गुलाल अर्पित कर मनाया जाएगा होली पर्व

महाकाल मंदिर में आज जलेगी देश की सबसे पहली होली

उज्जैन। महाकाल मंदिर में परंपरा अनुसार आज सोमवार को संध्या आरती के बाद देश की सबसे पहली होली जलेगी। इसके पूर्व संध्या आरती में भगवान को पुजारी शक्कर की माला पहनाएंगे और गुलाल अर्पित कर होली खेलेंगे।

इसके साथ ही उज्जैन में होली का पर्व शुरू हो जाएगा। हालांकि 3 मार्च को चंद्र ग्रहण लगने से इसका असर दिखाई देगा व धुलेंडी 4 मार्च को भी मनाई जाएगी। उज्जैन में परंपरा अनुसार हर त्योहार सबसे पहले भगवान महाकाल के दरबार में मनाया जाता है। इसके बाद भक्त पर्व मनाते हैं। मंदिर के पुजारी आशीष गुरु ने बताया कि सुबह मंदिर प्रांगण में लकड़ी व कंडों से होली सजाई जाएगी। इसके आसपास रंगोली बनाई जाएगी। शाम को भगवान महाकाल की संध्या आरती के बाद पुजारीगण प्रांगण में पहुंचकर होलिका का पूजन-अर्चन व आरती करेंगे। इसके पश्चात होली का दहन किया जाएगा। संध्या आरती में होली मनेगी।

पुराने उज्जैन के सिंहपुरी क्षेत्र में 5 हजार कंडों की होली सजाई जाएगी। यहां ब्रह्म मुहूर्त में होली दहन की परंपरा है। पं. अमर डब्बावाला ने बताया कि ऐसी मान्यता है कि आज भी इस होली के दहन के पश्चात राज भर्तृहरि होली तापने आते हैं। होली का दहन यहां चकमक पत्थर की रगड़ से अग्नि प्रज्जवलित कर किया जाता है। होली दहन के बाद इसे श्रद्धालु आशीर्वाद स्वरूप घर में पूजा के स्थान पर सुरक्षित रखते है। होली के बाद से उज्जैन में परंपरागत रूप से ब्राह्मण समाजों की गेर निकलना भी शुरू हो जाती है।

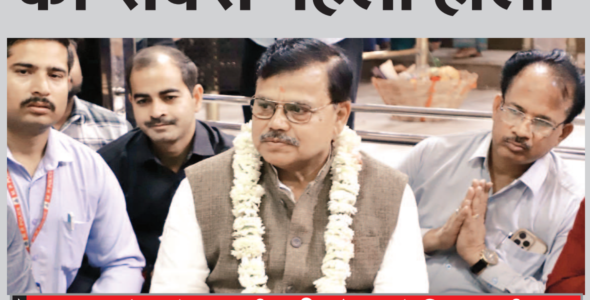

मध्य प्रदेश के ऊर्जा मंत्री तोमर ने किए दर्शन

महाकाल मंदिर में नेता और अभिनेता सहित क्रिकेट खिलाड़ियों का आना अभी भी दर्शन को लेकर जारी है। जहां वे भस्मारती कर बाबा आशीर्वाद ले रहे हैं। इसी क्रम में मध्य प्रदेश शासन के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने रविवार को उज्जैन में ज्योतिर्लिंग महाकाल के दर्शन किए। उन्होंने नंदीहाल में बैठकर कुछ देर बाबा का ध्यान लगाया। मंदिर प्रबंध समिति ने तोमर का स्वागत किया।